श्रुतभाव (AURAL COMPREHENSION)

CLASS-4 (2023-24)

जंगल में एक पेड़ पर एक छोटी-सी चिड़िया का घोंसला था | घोंसले में उसके छोटे-छोटे बच्चे थे | एक दिन एक हाथी घूमता हुआ वहाँ आया | हाथी अपना भरी-भरकम शरीर उस पेड़ से रगड़ने लगा | उसकी रगड़ से पेड़ हिलने लगा | साथ में चिड़िया का घोंसला भी हिलने लगा | घोंसले में बैठे चिड़िया के बच्चे डर गए | चिड़िया ने हाथी से प्रार्थना की कि हाथी भाई आप किसी और पेड़ के साथ अपना शरीर रगड़ लो | हाथी चिड़िया का मज़ाक उड़ाते हुए बोला, 'चुप रह छोटी-सी चिड़िया ! बड़ी आई मुझे रोकने वाली !" हाथी ने कहा, "मैं तुम्हें एक मिनट में कुचल सकता हूँ |" तभी एक छोटी-सी चींटी हाथी की सूंड में घुस गई | हाथी दर्द से चिल्लाने लगा | चिड़िया पेड़ पर बैठी सब देख रही थी |

शिक्षा: अपने बड़े होने का कभी-भी अभिमान नही करना चाहिए |